



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 371]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 9, 1982/अग्राहायण 18, 1904

No. 371] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 9, 1982/AGRAHAYANA 18, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

संसार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 1982

सां०कां० 744(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार, अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय तार नियम, 1951 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय तार (तीनरा संशोधन) नियम, 1982 है।

(2) ये प्रथम जनवरी, 1983 से प्रवृत्त होंगे।

2 भारतीय तार नियम, 1951 के भाग 9 में नियम 519 में, शीर्षक "क-निराया" के अन्तर्गत मद (7) तथा उसमें संशोधन प्रतिष्ठियों के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जायेगा, अर्थात् :-

"टैलेब्रानिक टैलेक्म एक्सचेंज

(8) संक्षेप में डाकल करना

(क) एकल अंक डाकल संकेत के लिये 240.00 रु० प्रतिवर्ष

(ख) दो अंक डाकल संकेत के लिये 720.00 रु० प्रतिवर्ष

(ग) मशरूमों में परिवर्तन के लिये 40.00 रु० प्रतिवर्ष

(9) सीधी कॉल (इत आइत) 720.00 रु० प्रतिवर्ष

(10) सामूहिक गंधा समूह 240.00 रु० प्रतिवर्ष

(11) प्रभावे अर्थात् की स्वचालित मलाह
आर आशिक कर्मावर राउने

240.00 रु० प्रतिवर्ष

(12) बहुगन्वाधन सेवा

2.00 रु० प्रति सफल
बहुगन्वाधन काल

(13) विभिन्न परिवर्तन

"183" डायल करके
संदेश देने के लिये
प्रभार स्थानीय कॉल
द्वारा पर उद्ग्रहीत
किये जायेगे। बूलाए
श्वे पक्ष को संदेश के
प्रेषण के लिये, उसी
प्रकार प्रभावित किया
जायेगा, जैसे समय और
कॉल मीटरिंग मिटर
पर दूरस्थ कनेक्शन
के लिए प्रभावित
किया जाता है।
मुसने वाले पक्ष को
अभिस्वीकृत देने के
लिये कोई प्रभार
उद्ग्रहीत नहीं किया
जायेगा।"

[फा०सं० 2-8/82-आर०]

टी० एम० सुब्रह्मनियम, प्रार सचिव
एवं सदस्य, डाक-तार बोर्ड

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Posts and Telegraphs Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th December, 1982

G.S.R. 744(E).—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Third Amendment) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the 1st January, 1983.

2. In Part IX of the Indian Telegraph Rules, 1951, in rule 519, under heading "A—Rental", after item (vii) and the entries relating thereto, the following shall be added, namely:—

"For Electronic Telex Exchanges

(viii) Abbreviated dialling:—

(a) For single digit dial codes Rs. 240/- per annum

(b) For two digit dial codes Rs. 720/- per annum

(c) For change of numbers Rs. 40/- per change

(ix) Direct Call

(Quick line) Rs. 720/- per annum

(x) Collective number group Rs. 240/- per annum per group

(xi) Automatic advice of chargeable duration and partial clear down Rs. 240/- per annum

(xii) Multi address Service Rs. 2/- per successful multi address call.

(xiii) Delayed delivery For inputting message by dialling '183', charges shall be levied at Local call rates. The transmission of message to the called party shall be charged for as for a long distance connection on time and zone metering principle. No charge is to be levied for the acknowledgement given to the calling party".

[File No. 2-8/82/R]

T. S. SUBRAMANIAN, Additional Secretary and Member, P&T Board.